प्रकाशनार्थ / प्रसारणार्थ

राफेल खरीद का समझौता 20 फीसद कम कीमत और बेहतर शर्तों पर

राहुल गांधी को विमान की सही कीमत तक पता नहीं

पटना –06.09.2018

एनडीए सरकार ने फ्रांस से अत्याधुनिक 36 राफेल विमानों की खरीद का समझौता कर वायुसेना का मनोबल बढ़ाया, जबकि राहुल गांधी रक्षा जैसे मुद्दे पर लगातार देश को गुमराह कर रहे हैं। वे संसद से लेकर जनसभाओं तक विमान की चार अलग–अलग कीमत बता चुके हैं। जिस विमान की कीमत वे कर्नाटक की सभा में 700 करोड़ बता चुके थे, उसकी कीमत कभी 520, 526 तो कभी 540 करोड़ बता कर यही साबित कर रहे हैं कि उनकी जानकारियां सही नहीं हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष बतायें कि क्या यह सच नहीं कि 2007 में यूपीए सरकार ने जो डील की थी, उसमें मूल्यवृद्धि को जोड़ तय कीमत से 9 फीसद सस्ती दर पर राफेल खरीद का समझौता हुआ है? इसके साथ इसमें लगने वाले हथियारों की कीमत भी जोड़ दी जाए, तो 20 फीसद कम कीमत पर विमान खरीद की जा रही है।

राहुल गांधी बतायें कि जब यह समझौता भारत और फ्रांस की दो संप्रभु सरकारों के बीच हुआ है, तब किसी निजी कंपनी को लाभ पहुंचाने का झूठ उनकी पार्टी क्यों फैला रही है? राफेल विमान में भारत में बना एक पेंच तक नहीं लगने वाला है। एनडीए सरकार ने राफेल समझौता करने में न केवल तत्परता दिखायी, बल्कि पहले से बेहतर शर्तों पर सौदा किया।

वायुसेना के उपप्रमुख एसबी देव ने भी कहा है कि राफेल एक बढ़िया और सक्षम लड़ाकू विमान है, लेकिन इस बारे में कुछ लोग बिना सही जानकारी के चर्चा कर रहे हैं। क्या राहुल गांधी को अपने देश के वाइस एयरचीफ मार्शल की बात पर भरोसा नहीं है? जो कांग्रेस सर्जिकल स्ट्राइक पर सेना से सबूत मांगती है और सेनाध्यक्ष पर अपमानजनक टिपण्णी करती है, वह राफेल समझौते में अड़ंगेबाजी कर क्या देश के शत्रुओं को लाभ पहुंचाना चाहती है? राहुल गांधी जान लें कि बार–बार बोलने से कोई झूठ सच नहीं हो सकता।